## डॉक्टर के मार्गदर्षन में टाइप–2 डायाबिटीस, बीपी और थायरॉड की दवाओं की कमीः

### 4. डायाबिटीस की दवाओं को कम करने की विधीरू

Taper down Insulin and Tablets

a. प्रभावी परिणामों के लिए स्टेटिन, ब्लड थिनर और गैस्ट्रिक टैबलेट को हमारे इलाज के पहले दिन से ही बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये यकृत के कार्यों को नुकसान पहुंचाते हैं। यकृत का मुख्य कार्य भोजन से मुक्त ग्लूकोज़ को अवषोशित करना और इसे ग्लाइकोजन के रूप में संग्रहीत करना है तथा षरीर की आवष्यकता के अनुसार इसे छोड़ना है। यदि यकृत सही से काम नहीं करता है, तो स्वाभाविक रूप से रक्त में ग्लूकोज़ का स्तर बढ़ जाता है। मिरेकल ड्रिंक्स डाइट प्रोटोकॉल में आहार पूरक कॉलेस्ट्राल स्तर को सामान्य करने, रक्त पतला करने और जठरांत्र संबंधी समस्याओं के लिए पूरक होते हैं, इसलिए स्टेटिन, ब्लड थिनर और गैस्ट्रिक टैबलेट्स को बंद किया जा सकता है।b. मिरेकल ड्रिंक्स डाइट प्रोटोकॉल में, अधिकांष मामलों में 3 दिनों के भीतर पैंकियास की अंतःस्त्रावी ग्रंथि सकिय हो जाएगी और इनबिल्ट सिस्टम के माध्यम से इंसुलिन का उत्पादन करेगी।

c. उपचार के दौरान, ग्लूकोज़ का स्तर लगभग 3–4 दिनों में सामान्य होने लगता है, इसलिए एलोपैथिक दवाओं को निम्नलिखित प्रकिया में कम करना चाहिए।

– जो लोग मधुमेह के लिए टैबलेट्स ले रहे हैं, चौथे दिन 50% टैबलेट की मात्रा कम करनी चाहिए, और फिर ग्लूकोज़ स्तर की निगरानी करके टैबलेट्स को और कम करना चाहिए।

– जो लोग इंसुलिन ले रहे हैं, तीसरे दिन रात की इंसुलिन खुराक को कुल खुराक के 50% तक कम करना चाहिए, क्योंकि कभी–कभी ग्लूकोज़ का स्तर 60 से 70 भ्इ।1ब तक कम हो जाता है। चौथे दिन हर बार 3 यूनिट कम करना चाहिए, उसके बाद साप्ताहिक रूप से हर बार 3 यूनिट कम करनी चाहिए।

उदाहरणः–

.सुबह 20 यूनिट – दोपहर 20 यूनिट – रात यूनिट और टैबनेट्स

.तीसरे दिनः सुबह – कोई कमी नहीं, दोपहर – कोई कमी नहीं, रात में 10 यूनिट कम करनी चाहिए।[50%]

.चौथे दिनः सुबह – 3 यूनिट कम, दोपहर – 3 यूनिट कम, रात – 3 यूनिट कम ।

.साप्ताहिकः सुबह – 3 यूनिट कम, दोपहर – 3 यूनिट कम, रात – 3 यूनिट कम।

.आगे यदि ग्लूकोज स्तर और नीचे आता है तो इंसुलिन की मात्रा और कम करनी होगी।

.इंसुलिन सेवन समाप्त होने के बाद, ग्लूकोज़ स्तर देखकर टैबलेट्स को बंद करना चाहिए।

d. अग्न्याषय की पुनः सकियता की प्रभावषीलता देखने के लिए हर 15 दिनों में भ्इ।1ब की जांच करनी चाहिए।

.यदि फिर भी ग्लूकोज़ का स्तर कम हो रहा है, तो इंसुलिन की मात्रा को और कम किया जाना चाहिए।